आदित्य विक्रम बिरला Aditya Vikram Birla

14-01-2013
आदित्य विक्रम बिरला
ADITYA VIKRAM BIRLA
नई दिल्ली 110001 NEW DELHI

ADITYA VIKRAM BIRLA

Aditya Vikram Birla (1943-1995) was born on 14th November, 1943 at New Delhi. An industrialist of extraordinary vision who made a pioneering contribution to the expansion of Indian economic activity beyond the country's borders.

Aditya was born into a family known for entrepreneurial brilliance, his father Basant Kumar Birla and grandfather Ghanshyam Das Birla both having been among the prominent industrialists of their respective generation. They were also closely associated with Mahatma Gandhi and played an active role in the Indian freedom struggle.

Aditya, after completing his schooling and graduation in his hometown of Calcutta, earned a degree in Chemical Engineering from the Massachusetts Institute of Technology, USA. He was married to Rajashree.

The death of his grandfather in 1983 saw a relatively young Aditya Birla being catapulted onto the centrestage of Indian corporate sector. He was called upon to take charge of most of the companies of the Birla group. Aditya rose to the challenge and provided able and effective leadership to the business conglomerate. Constituents of the group like Hindustan Gas, Hindalco, Grasim, Indian Rayon and Indo-Gulf Fertilisers and Chemicals Ltd. soon came to be recognized as being among the best managed enterprises in the country.

What set Aditya Birla apart from his contemporaries was his international vision. He boldly ventured into overseas territories, and set up 19 companies in countries like Thailand, Malaysia, Indonesia, the Philippines and Egypt. These companies operated in sectors like Textiles, Viscose Staple Fibre, Carbon Black, Chemicals and Petro-refining, which were at the core of the global economy. The contribution of the companies of Aditya Birla's group to the Indian economy was significant.

Aditya Birla occupied many positions in public life. Bodies like the FICCI, Asian Institute of Management, Manila and the India Fund, of which he held membership, gained from his efforts and insights. Because of his exemplary leadership and global vision he was nominated as a Director on the Board of Reserve Bank of India, became the Honorary Counsel General of the Republic of Philippines and was invited as one of the Advisor to the Economic Council of the Prime Minister of India. He was also known for his interest in painting, music and badminton.

Aditya Birla was a man with a strong social consciousness. With the objective of making difference to the lives of the underprivileged, he committed the companies of his group to adopting villages. The villages so adopted were transformed by programmes that facilitated self-employment, promoted adoption of modern methods of agriculture and introduction of vocational training, supported provision of health care facilities and encouraged development of cottage industries.

He passed away on 1st October, 1995.

Department of Posts is happy to release a Commemorative Postage Stamp in honour of Aditya Vikram Birla.

Credits:-

Text	:	P.N. Ranjit Kumar (Based on the material provided by the proponent)
Stamp/FDC	:	Kamleshwar Singh
Cancellation	:	Nenu Gupta

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

आदित्य विक्रम बिरला

Aditya Vikram Birla

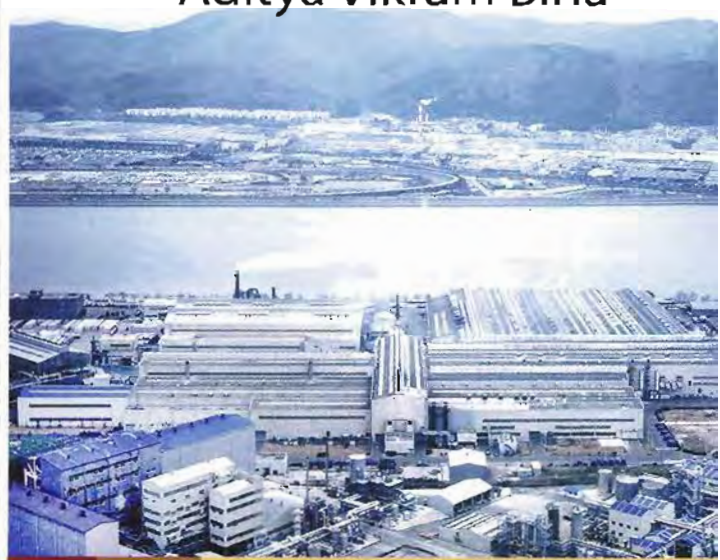

विवरणिका BROCHURE

आदित्य विक्रम बिड़ला

आदित्य विक्रम बिड़ला (1943–1995) का जन्म 14 नवम्बर, 1943 को नई दिल्ली में हुआ था। वे एक विलक्षण दृष्टिकोण के उद्योगपति थे जिन्होंने देश की सीमाओं से परे भारतीय आर्थिक कार्यकलापों के विस्तार हेतु अग्रणी योगदान दिया।

आदित्य का जन्म उद्यमी प्रवीणता हेतु विख्यात परिवार में हुआ था, उनके पिता वसन्त कुमार बिड़ला तथा दादा घनश्याम दास बिड़ला, दोनों अपनी–अपनी पीढ़ी के प्रमुख उद्योगपतियों में से रहे हैं। वे महात्मा गांधी से नजदीकी से जुड़े थे और उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई।

अपने गृहनगर कोलकाता से विद्यालयी एवं स्नातक की शिक्षा पूरी करने के उपरान्त, आदित्य ने मसेच्युसेटस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, यू.एस.ए से केमिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। उनका विवाह राजश्री से हुआ।

1983 में उनके दादा जी की मृत्यु के समय अपेक्षाकृत युवा आदित्य बिड़ला को भारतीय कारपोरेट क्षेत्र में उतरना पड़ा। उन्हें बिडला ग्रुप की अधिकांश कंपनियों का कार्यभार ग्रहण करने के लिए बुलाया गया। आदित्य ने चुनौतियों का सामना किया तथा व्यावसायिक समूह हेतु सक्षम एवं प्रभावी नेतृत्व प्रदान किया। समूह के संघटक जैसे– हिन्दुस्तान गैस, हिंडाल्को, ग्रासिम, इंडियन रेयान तथा इंडो गल्फ फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड शीघ्र ही देश में अच्छी तरह प्रबंधित किए जाने वाले उद्यमों के बीच प्रतिष्ठापित हो गए।

अपने समकालीन उद्यमियों से अलग, आदित्य बिड़ला का दृष्टिकोण अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण था। उन्होंने समुद्र पार क्षेत्रों में उद्यम करने का साहस दिखाया तथा थाइलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, फिलीपिंस एवं मिश्र जैसे देशों में 19 कंपनियां स्थापित की। ये कंपनियां टेक्सटाइल्स, विस्कोस स्टेपल फाइबर, कार्बन ब्लैक, रसायन तथा पेट्रो परिशोधन, जैसे क्षेत्रों में प्रचालनरत थीं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के केन्द्र में थी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आदित्य बिड़ला समूह की कंपनियों का योगदान महत्वपूर्ण था।

आदित्य बिड़ला ने सार्वजनिक जीवन में कई पदों को सुशोभित किया। फिक्की (एफआईसीसीआई), एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मनीला तथा इंडिया फंड जैसे निकायों जिनके वे सदस्य रहे, को उन्होंने अपने प्रयास एवं दूरदर्शिता से लाभान्वित किया। उनके अनुकारणात्मक नेतृत्व और वैश्विक दृष्टिकोण के कारण उनको भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल में नामित किया गया, फिलीपिन्स गणराज्य में आनरेरी काउंसिल जनरल बनाया गया और भारत के प्रधानमंत्री के आर्थिक परिषद में परामर्शदाता के रूप में आमंत्रित भी किया गया। वे चित्रकला संगीत तथा बैडमिंटन में व्यक्तिगत रुचि के लिए भी जाने जाते थे।

आदित्य बिड़ला एक दृढ़–निश्चयी सामाजिक जागरुकता रखने वाले व्यक्ति थे। शोषितों के जीवन में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से गांवों को गोद लेने के लिए उन्होंने अपने समूह के कंपनियों को प्रतिबद्ध किया। इस प्रकार गोद लिए गांवों को उन कार्यक्रमों द्वारा परिवर्तित किया गया था जिनमें स्वरोजगार की सुविधा, कृषि के आधुनिक तरीकों को बढ़ावा देना तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण की शुरुआत, स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देना तथा कुटीर उद्योगों के विकास को प्रोत्साहन देना शामिल है।

उनका निधन 1 अक्तूबर, 1995 को हुआ।

डाक विभाग आदित्य विक्रम बिड़ला के सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है।

आभार :–

मूलपाठ	:	पी. एन. रंजीत कुमार (प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री के आधार पर)
डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण	:	कमलेश्वर सिंह
विरुपण	:	नीनू गुप्ता

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख Date of Issue	: :	14 जनवरी, 2013 14 January, 2013
मूल्यवर्ग Denomination	: :	500 पैसा 500 p
मुद्रित डाक–टिकटें Stamps Printed	: :	3.1 लाख 0.31 Million
शीटलेट Sheetlet	: :	1 लाख* 0.1 Million*
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथ
सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights wit
respect to the stamp, first day cover and information brochure res
with the Department.

*60 हजार प्रस्तावक हेतु।
*0.06 million for the proponent

मूल्य ₹ 2.00